आईआईएम • बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स का पहला वार्षिक व्याख्यान

जनजातीय संस्कृति, खानपान, जड़ी बूटियों, बोली पर प्रबंधन के छात्र शोध करें: अन्नपूर्णा

सिटी रिपोर्टर. रांची

खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन आदर्शों को मानने वाले बिरसाइतों के गांव बसते हैं। बिरसा मुंडा की प्रेरणा से बिरसाइत आज भी अपने सामाजिक, सांस्कृति, धार्मिक मूल्यों पर अडिग हैं। अपनी मान्यताओं के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं। आईआईएम रांची के स्टूडेंट्स उनकी जीवनशैली पर शोध करें, ताकि उनको देश-दुनिया में पहचान मिल सके। ये बातें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कही। मौका था आईआईएम रांची के नए कैंपस में आयोजित बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स के पहले वार्षिक व्याख्यान का। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, मेयर आशा लकड़ा, आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह, चेयरपर्सन प्रवीण शंकर पांड्या आदि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने डायनिंग हॉल का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य भारत को महाशक्ति बनाना

केंद्रीय मंत्री को सम्मानित किया गया।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर शैक्षिक रूप से महाशक्ति बनाना तथा भारत की शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। शैक्षिक पाठयक्रम में भाषाओं को लेकर कई विकल्प रखे गए हैं। अगर कोई छात्र क्षेत्रीय भाषा व मातृभाषा को पढ़ना चाहता है तो वह आसानी से पढ़ सकता है। भारतीय प्राचीन भाषाओं को पढ़ने का भी विकल्प रखा जा रहा है। झारखंड प्रदेश में विविधतापूर्ण जनजातीय संस्कृति, बोली, खान-पान, वेशभूषा, औषधीय जड़ी-बूटी जैसे अनेक विषयों पर प्रबंधन शिक्षा का अंग बनाएं। छात्र इन पर शोध करें।

झारखंड के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाएं- आशा लकड़ा

मेयर आशा लकड़ा ने कहा कि आज बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यहां पढ़ रहे छात्र भी बिरसा मुंडा के सपने का समाज बनने में अपना योगदान दें। यहां मड़ुआ जैसे कई उत्पाद की खेती होती है, उनसे क्या-क्या उत्पाद बना सकते हैं इस पर काम करें। झारखंड के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाएं। नौकरी देने वाला सोच बनाएं।

आईआईएम के लिए 150 करोड़ रुपए और मुहैया कराया जाए- निदेशक

निदेशक ने संस्थान की उपलब्धि के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 2009 में संस्थान के कैंपस के लिए 333 करोड़ रुपए सेंक्शन किए गए थे। खुद के संसाधनों से लगभग 130 करोड़ जुटा कर कैंपस के निर्माण में लगाए। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि 150 करोड़ रुपए मुहैया कराया जाए, ताकि संस्थान के हॉस्टल व अन्य सुविधाओं पर काम किया जा सके।

Dainik Bhaskar, 16.11.2021, Pg. 04